घाटा जल ग्रहण क्षेत्र का बदलता स्वरुप
जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप

घाटा अरावली की पहाड़ियों के नज़दीक है, लेकिन पिछले कुछ सालों में यहाँ के मौसम में बहुत बदलाव आया है। गुरुग्राम की घाटा झील लगभग 370 एकड़ में फैली थी जो अब केवल 2 एकड़ तक सिमट गयी है।

घाटा झील भूजल पुनर्भरण का प्रमुख स्रोत थी और सूखे की स्थिती में पानी का मुख्य स्रोत भी।

हरित (ग्रीन) स्थान कम हो रहे हैं और सब और कंक्रीट के जंगल बन गए हैं

घाटा झील की वर्तमान स्थिती

बहुत अधिक बारिश या सूखा, जलवायु परिवर्तन की ओर इशारा करता है , इससे होने वाले असर को शहरों में सामान्य रूप से देखा जाने लगा है, 2021 की बरसात में गुरुग्राम शहर

पानी के अत्यधिक दोहन, कचरा डंपिंग और अवैध कब्ज़ों के कारण आज यह झील अपना अस्तित्व खोने की कगार पर है

इसका सीधा असर हमारे जीवन पर पड़ रहा है

- झील का ठहरा हुआ बदबूदार पानी
- मच्छरों का प्रजनन स्थल
- जल जनित रोगों में वृद्धि
- बरसात में जलभराव और बाढ़ की स्थिती
- गर्मियों में पानी की कमी

क्या करें ?

- झील में और इसके आसपास कचरा न फेंकें
- झील के आस-पास वृक्ष लगाएं
- जलग्रहण क्षेत्र में अतिक्रमण न होने दें
- जमीन के अंदर के पानी का दोहन संतुलित मात्रा में करें

सहयोग

Adaptation Research Alliance

UKaid from the British people

सहयोगी संस्थायें

PRIA

Sushant University

School of Art & Architecture

icmr NIREH